हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, गुरुवार 26 मार्च 2026

11 अधूरी बिल्डिंग के लिए 32 करोड़ रुपये की मंजूरी...

12 एजेंसी का ठेका समाप्त होने से शहर के शौचालय की हालत हुई...

SURAJ SCHOOL NARNAUL
ADMISSION OPEN 2026-27
(Classes : Nursery to 12th)
Tel : 9053539071, 9053539072
Affiliated to CBSE, NEW DELHI vide Affiliation No. 532145
Announces....
Now on Everyday
ADMISSION cum SCHOLARSHIP TEST
FULLY A.C. CAMPUS
with A.C. Transport Facility
• CCTV ENABLED • DIGITALISED SMART CLASSROOMS

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
|| तमसो मा ज्योतिर्गमय ||
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts
ADMISSION OPEN Session 2026-27
स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

खबर संक्षेप

मुंडियाखेड़ा में लोहे की जाली चोरी

कनीना। कनीना सदर थाना अंतर्गत गांव मुंडियाखेड़ा में अज्ञात चोर खेत की मेड पर लगाई जाने वाली लोहे की जाली चोरी कर ले गए। इस बारे में रूपराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने खेतों में लगाने के लिए 32 बंडल लोहे की जाली लाकर अपने ट्यूबवेल पर रखी थी। जिसे बीती रात्रि अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में बुजुर्ग गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। शहर में एक सात वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने 70 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार किया है। शहर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपित फकीरचंद किराना की एक दुकान चलाता है। पीड़िता बच्ची दुकान पर सामान लेने गई थी, जहां आरोपित ने उसके साथ गलत हरकत की। बच्ची ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता के बयान कोर्ट में भी दर्ज कराए।

अधिकारियों के निवास के लिए तलाशी जा रही जमीन

कनीना। लघु सचिवालय भवन बनाने का कार्य लगभग पूरा होने के बाद अधिकारियों के आवास के लिए जमीन तलाशी जाने लगी है। उपमंडल प्रशासन की ओर से गोशाला के सामने पांच एकड़ जमीन का प्रस्ताव मांगा जा रहा है, जबकि नपा के पार्षद रेवाड़ी बीकानेर रेलवे लाइन के पास दक्षिण दिशा में नपा की 335 कनाल भूमि में से पांच एकड़ भूमि सरकार को देने के लिए रजामंद हो रहे हैं। मंगलवार को हुई नपा की बैठक में पार्षदों की ओर से सर्वसम्मति से प्रस्ताव भी पारित किया गया। जिसे डीएमसी के पास भेजा गया है। नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल ने बताया कि अधिकारियों के आवास के लिए जमीन निर्धारित की है।

बिना अप्रूवल काम शुरू करने का खामियाजा, ठेकेदार को लाखों का नुकसान

बिना प्रशासनिक मंजूरी शुरू हुआ काम बना मुसीबत, सात महीने बाद भी 'बजट अटका'

- जिला नागरिक अस्पताल के नवीनीकरण कार्य को सात महीने बाद भी नहीं मिली मंजूरी, 5.95 करोड़ का प्रोजेक्ट अधर में
- जर्जर भवन में जारी ओपीडी, अधूरे काम से मरीजों को हो रही परेशानी

राजकुमार ▶▶ नारनौल

जिला स्तरीय नागरिक अस्पताल की करीब 55 साल पुरानी बिल्डिंग में शुरू किया गया नवीनीकरण कार्य अब प्रशासनिक मंजूरी के अभाव में अधर में लटक गया है। बिना एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल के शुरू किए गए इस काम के चलते न केवल विभागीय प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं, बल्कि ठेकेदार को लाखों रुपये का नुकसान भी झेलना पड़ रहा है और मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट अस्पतालों की तर्ज पर आधुनिक सुविधाएं और आकर्षक लुक देने की घोषणा की गई थी। जुलाई-अगस्त, 2025 में इस पर स्वास्थ्य एवं पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ प्रदेशभर की वीडियो कांफ्रेंसिंग भी हुई थी, जिसमें उन्होंने रेनोवेशन कार्य बिना किसी देरी के तत्काल प्रभाव से शुरू करने के आदेश दिए थे। इन आदेशों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पीडब्ल्यूडी विभाग के साथ मिलकर नारनौल की जिला नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में रेनोवेशन, ब्यूटीफिकेशन और इलेक्ट्रिफिकेशन के तीन बड़े कार्य शुरू करवा दिए थे। यह कार्य अगस्त 2025 में ही शुरू करवा दिया गया था।

हालांकि हैरानी की बात यह है कि काम शुरू होने के सात महीने बाद भी सरकार से इस परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी नहीं मिल पाई है। पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से करीब 5.95 करोड़ रुपये का एस्टीमेट बनाकर सरकार को भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक इसे स्वीकृति नहीं मिली है। फिलहाल, मंजूरी के इंतजार में अटका यह प्रोजेक्ट प्रशासनिक प्रक्रियाओं की धीमी गति और समन्वय की कमी को उजागर कर रहा है, जिसका सीधा असर आम मरीजों और ठेकेदार दोनों पर पड़ रहा है, जबकि इस कार्य में राजनीतिक हस्तक्षेप की भी आवश्यकता है, लेकिन सब ठंडे बस्ते में पड़े नजर आ रहे हैं।

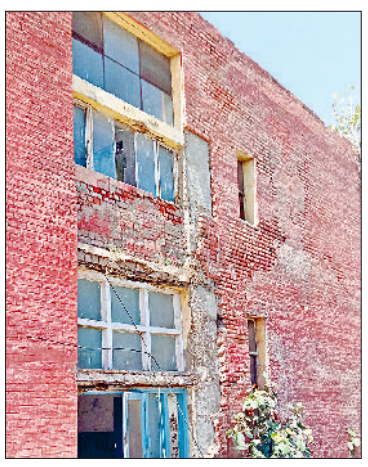

नारनौल। नवीनीकरण के दौरान अधूरा छोड़ा गया अस्पताल भवन व जर्जर अवस्था में खड़ा अस्पताल का पुराना भवन। फोटो : हरिभूमि

ठेकेदार को हो रहा नुकसान

बिना मंजूरी के काम शुरू करने का खामियाजा अब ठेकेदार को भुगतना पड़ रहा है। पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत ठेकेदार सरिता देवी की एजेंसी अब तक लाखों रुपये खर्च कर चुकी है, लेकिन भुगतान अटका हुआ है। वहीं, रेनोवेशन कार्य भी करीब आधा ही पूरा हो पाया है और फिलहाल काम लगभग ठप पड़ा है।

टीनशेड पर लाखों खर्च, बेकार गए

मामले को और जटिल तब बना दिया गया, जब अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर बनाए गए बड़े टीनशेड को चिकित्सा अधिकारियों ने खारिज कर दिया। सूत्र बताते हैं कि पुरानी बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर सर्जरी का कार्य होता है। इसी मंजिल पर ठेकेदार ने अस्पताल के एक डाक्टर के अनुरोध पर ग्राउंड मंजिल की खाली छत पर दूसरी मंजिल के साथ-साथ एक बड़ा टीनशेड मरीजों खासकर तिमारदारों के लिए बना दिया था, लेकिन इसे बनाने के बाद दूसरे चिकित्सा अधिकारियों के सख्त आदेशों के चलते इसे हटाना पड़ा। ठेकेदार द्वारा 8 से 10 लाख रुपये खर्च कर बनाए गए इस ढांचे को हटाना पड़ा, जिससे आर्थिक नुकसान और बढ़ गया। सूत्रों के अनुसार, यह टीनशेड बिना प्रशासनिक और चिकित्सा अधिकारियों की औपचारिक अनुमति के बनाया गया था। अधिकारियों के सख्त रुख के बाद इसे अस्वीकार कर दिया गया।

पुरानी बिल्डिंग जर्जर एवं कंडम घोषित

गौरतलब है कि जिस पुरानी बिल्डिंग में यह कार्य चल रहा है, वह करीब 55 साल पुरानी है और इसे पीडब्ल्यूडी विभाग पहले ही जर्जर एवं खंडहर घोषित कर चुका है। दीवारें एवं छत्ते कई जगहों से दरक चुकी हैं। लगभग पूरी छत से पानी टपकता है। दीवारों में पौधे अब पेड़ों के रूप लेते जा रहे हैं। दरवाजे, खिड़कियां, पौड़ियां भी जगह-जगह से टूटे पड़े हैं। इसके बावजूद अस्पताल की अधिकांश सेवाएं आज भी इसी भवन में संचालित हो रही हैं। ओपीडी, डिलीवरी वार्ड, डेंटल, लैब, एमएस ऑफिस, दवा वितरण, अल्ट्रासाउंड, नेत्र चिकित्सा कक्ष, वरिष्ठ नागरिक कक्ष, सैंपल कलेक्शन, आयुर्वेद सहित कई महत्वपूर्ण सेवाएं इसी भवन में चल रही हैं। रोजाना हजारों मरीज यहां उपचार के लिए पहुंचते हैं।

यह बोलीं ठेकेदार

ठेकेदार सरिता जांगड़ा ने बताया कि बिना प्रशासनिक मंजूरी के काम शुरू करना उनके लिए भारी पड़ गया है। वैसे तो विभागीय निर्देशों के तहत कार्य शुरू किया गया था, लेकिन अब भुगतान न मिलने से आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

यह बोले चिकित्साधिकारी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डॉ. विजय डबास ने बताया कि अधूरे कार्य को जल्द पूरा कराने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को पत्र लिखा जा चुका है।

यह बोले एसडीओ

पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रशासनिक मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है और बजट का एस्टीमेट भी सरकार के पास लंबित है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मंजूरी मिलती है, रेनोवेशन कार्य को पूरा करवा दिया जाएगा।

मरीजों को परेशानी

रेनोवेशन कार्य अधूरा रहने से मरीजों और स्टाफ दोनों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अधूरी मरम्मत, अस्थायी व्यवस्थाएं और अव्यवस्था के कारण अस्पताल का सामान्य संचालन प्रभावित हो रहा है। ट्रामा सेंटर के मरीजों को दवाएं लेने या सैंपल देने के लिए इसी बिल्डिंग में आना पड़ रहा है।

छह करोड़ कम नहीं होते

पुरानी बिल्डिंग पर लगभग छह करोड़ का बजट खर्च करना बेकार सिद्ध हो सकता है, क्योंकि यह बिल्डिंग कंडम हो चुकी है और पीडब्ल्यूडी विभाग वर्षों पहले इस पर अपनी कंडम वाली रिपोर्ट भी दे चुका है। पूरी छत का टपकना एवं दीवारें दरकना एक पुख्ता साक्ष्य माना जा सकता है। इस पुरानी खंडहर बिल्डिंग को केवल दिखावे के तौर पर नवीनीकरण करने से बेहतर होगा कि इसकी बीमारी को बाहरी की बजाए अंदर से खत्म किया जाए। यानि पुरानी बिल्डिंग को गिराकर नई बिल्डिंग खड़ी की जाए। डाक्टरों एवं नर्सिंग स्टॉफ के क्वार्टर नियमों के अनुसार अस्पताल परिसर में ही बनाए जाएं। छह करोड़ कम नहीं होते और यह पैसा नया भवन बनाने पर खर्च हो तो ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि यह बिल्डिंग रेनोवेशन के बाद भी गिरने का खतरा बनी रहेगी।

अभिभावक बनेंगे बच्चों की पढ़ाई के सच्चे भागीदार

मेगा पीटीएम से शिक्षा व्यवस्था में आएगी नई पारदर्शिता

- 1 अप्रैल को पूरे हरियाणा में मेगा पीटीएम : अब अभिभावकों के सामने खुलेगा बच्चों की पढ़ाई का पूरा रिपोर्ट कार्ड
- 16 से 25 मार्च तक वार्षिक मूल्यांकन, समग्र प्रगति कार्ड के जरिए साझा होंगे परिणाम, शिक्षा में पारदर्शिता और सहभागिता बढ़ाने की पहल
- स्कूलों को फोटो, वीडियो और रिपोर्ट विभागीय पोर्टल पर अपलोड करनी होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और अभिभावकों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। विभाग ने एक अप्रैल 2026 को राज्यभर में मेगा-पीटीएम (अभिभावक-शिक्षक बैठक) आयोजित करने का ऐलान किया है, जिसमें बच्चों की सालभर की प्रगति अभिभावकों के सामने रखी जाएगी। इसके तहत 16 मार्च से 25 मार्च तक कक्षा पहली से पांचवीं के विद्यार्थियों का वार्षिक मूल्यांकन किया जा रहा है। इसके बाद एक अप्रैल को आयोजित होने वाली मेगा पीटीएम में अभिभावकों को होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड अर्थात एचपीसी) के माध्यम से बच्चों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड दिखाया जाएगा।

शिक्षा विभाग की इस मेगा पीटीएम में हर विद्यार्थी का होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (एचपीसी) साझा होगा। कक्षा तीसरी के परिणाम 'निपुण' ऐप पर अपलोड किए जाने अनिवार्य रहेंगे। अभिभावकों से पेरेंट्स ऑब्जर्वेशन के तहत फीडबैक भी लिए जाएंगे।

शिक्षकों को सख्त निर्देश

शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक विद्यार्थी का एचपीसी पूरी स्पष्टता से भरें। इसके साथ ही मेगा पीटीएम के दौरान अभिभावकों को सरल और समझने योग्य जानकारी दी जाए और इसके लिए कम से कम 30 मिनट का संवाद अभिभावकों के साथ सुनिश्चित करें। मेगा पीटीएम के बाद रिपोर्ट और गतिविधियों का ऑनलाइन अपडेट अनिवार्य रूप से करनी होगी।

क्या कहते हैं डीईओ

डीईओ विश्वेशवर कौशिक ने बताया कि यह पत्र मिला है।

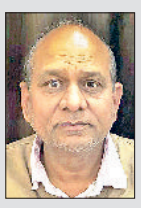

सभी स्कूलों में भिजवाया जा रहा है। इस पत्र के हिसाब से पीटीएम की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए खंड स्तर के अधिकारी, कलस्टर मुखिया, बीआरपी और एबीआरसी एक-एक विद्यालय का दौरा करेंगे। पीटीएम के दौरान अभिभावकों से बातचीत करेंगे और मॉनिटरिंग के बाद दिए गए निर्धारित गूगल फार्म को भरेंगे जोकि 30 मार्च को निपुण हरियाणा व्हाट्सएप चैनल पर उपलब्ध होगा। प्रत्येक राजकीय प्राथमिक विद्यालय के मुखिया को पीटीएम आयोजित करने के बाद गूगल फार्म भरना अनिवार्य होगा।

एसएमसी व समुदाय की सक्रिय भागीदारी

परिणाम घोषणा को 'उत्सव' के रूप में मनाने के निर्देश दिए गए हैं जिसमें फोकस केवल रिजल्ट पर नहीं अपितु पूरी विकास रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इस मेगा पीटीएम की खास बात यह है कि इसमें केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास पर भी चर्चा होगी। अभिभावकों को यह बताया जाएगा कि उनका बच्चा पढ़ाई, व्यवहार, रचनात्मक गतिविधियों और कौशल विकास में किस स्तर पर है और उसे आगे कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

परिवहन सुविधाओं में होगा विस्तार : स्वास्थ्य मंत्री

कनीना में 10.67 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक बस स्टैंड, सवारियों को होगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार ने कनीना में छह बेज के आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस परियोजना पर कुल 10.67 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। यह जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि कई दशकों से क्षेत्र के लोगों की मांग रही है। अब यह परियोजना सिरे चढ़ने जा रही है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कनीना में बनने वाला यह नया बस स्टैंड पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें यात्रियों के बैठने के लिए विशाल एवं आरामदायक प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, महिला व पुरुषों के लिए अलग अलग शौचालय, आधुनिक टिकट काउंटर और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। बसों के सुव्यवस्थित आवागमन के लिए छह अलग अलग प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

टेंडर प्रक्रिया व अन्य औपचारिकताएं जल्द की जाएगी पूरी

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बस स्टैंड बनने से न केवल यात्रियों का सफर सुगम होगा, बल्कि इससे पूरे कनीना क्षेत्र के आर्थिक व सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी। परिवहन सुविधाओं में विस्तार होने से स्थानीय बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को मिलेगा। आरती सिंह राव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया व अन्य औपचारिकताएं जल्द पूरी की जाएं, ताकि निर्माण कार्य समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के हर कोने में समान रूप से विकास कार्य करवाने के लिए प्रतिबद्ध है और कनीना का यह बस स्टैंड क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

सड़क हादसे में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

महेंद्रगढ़। सड़क हादसे में बाइक सवार 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा 24 मार्च की रात को हुआ, जब एक खच्चर को बचाने के प्रयास में दूसरी बाइक ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। गांव बसई निवासी सुनील ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 24 मार्च की रात लगभग आठ बजे उनके पिता सुभाष चंद सुंदर के खेत से अपने गांव बसई लौट रहे थे। सुनील भी दूसरी बाइक से उनके पीछे आ रहे थे। जब उनके पिता गांव के नजदीक एक प्राइवेट स्कूल के पास पहुंचे, तो उनकी बाइक के आगे अचानक एक खच्चर आ गया। सुभाष चंद खच्चर को बचाने का प्रयास कर रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुभाष चंद सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। टक्कर मारने वाला बाइक चालक मौके पर रुका, लेकिन फिर वहां से फरार हो गया। सुनील ने एंबुलेंस की सहायता से अपने पिता को महेंद्रगढ़ के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सुभाष चंद को मृत घोषित कर दिया। सदर थाना पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और फरार ड्राइवर की तलाश कर रही है।

Affiliated to CBSE, New Delhi
NAVGYAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
Mandi, Near By Pass Road, NARNAUL
"In Learning you will teach, and in teaching you will learn"
आप सभी को राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
Nav Gyan Jyoti Public School Mandi invites application from passionate individuals who want to carve a lucrative career in Education for the following vacancies for acadmic year 2026-27
For Foundation Classes :Coaching Experts
Sr. Wing/Jr. Wing
Physics, Chemistry, Biology, Mathematics
Teaching Staff
PGT : Mathematics, English, Pol. Science, Music
TGT : Mathematics, English, Science, Computer Teacher
Social Scienc (Hindi/English Medium), Hindi.
PRT : All Subject
Mother Teacher
Administration: Coordinators (Jr. Wing/Middle Wing/Sr. Wing)
Supporting Staff : DPEs (M/F), Art & Craft, Activity Teacher
Non Teaching Staff : Security Guard, Peon, Gardner
Driver/ Conductor
Qualification & Experience as per CBSE norms
Walk in Interview : On All Working Days
Timing : 10.00 Am to 1.00 PM
Venue : School Campus
Submit Your Resume on Whatsapp: 9355177524, 9896502865, 9817525934
or ngjpschool786@gmail.com https://ngjpsmandi.com

स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस बहुत पेनफुल समस्या है। इसके अलावा सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और लंबर स्पॉन्डिलाइटिस जैसी स्पाइन रिलेटेड समस्याओं के ट्रीटमेंट में ईएसडीएस काफी इफेक्टिव हो सकती है। किस तरह की जाती है यह सर्जरी और नॉर्मल सर्जरी से कैसे है यह अलग, जानिए।

स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस के ट्रीटमेंट में इफेक्टिव ईएसडीएस

ट्रीटमेंट

डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नई दिल्ली

रीढ़ की गठिया यानी स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस की समस्या के इलाज के अंतिम विकल्प के रूप में एंडोस्कोपिक स्पाइनल डिब्राइडमेंट सर्जरी (ईएसडीएस) से मरीजों को अच्छे रिजल्ट मिल रहे हैं। इसके साथ ही सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और लंबर स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या दूर करने में भी ईएसडीएस कारगर साबित हो रही है। ईएसडीएस की सफलता दर 95 प्रतिशत से ज्यादा है। इस तरह की सर्जरी के लिए इंट्राऑपरेटिव कंप्यूटर नेविगेशन सिस्टम, व्-आर्म और 3डी प्रिंटिंग का इस्तेमाल करके इंट्राऑपरेटिव 3डी रिकंस्ट्रक्शन इमेजिंग और रोबोट का प्रयोग किया जाता है।

क्या है यह सर्जरी: ईएसडीएस की प्रक्रिया के तहत सर्जन रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के प्रभावित भाग पर एक सूक्ष्म चीरा या कट लगाते हैं। फिर इस कट के जरिए वह एंडोस्कोप को मरीज के प्रभावित भाग जैसे रीढ़ की वर्टिब्रा या डिस्क के समीप ले जाते हैं। एंडोस्कोप एक ट्यूब सदृश होती है, जिसमें लाइट और कैमरा फिट होते हैं, जिनकी मदद से सर्जन ईएसडीएस की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं।

नहीं होती कटिंग: इस सर्जरी का नाम एंडोस्कोपिक स्पाइनल डिब्राइडमेंट सर्जरी (ईएसडीएस) तो है लेकिन खास बात यह है कि इसमें चीरफाड़ के स्थान पर रेडियो फ्रीक्वेंसी वेव्स, शॉक वेव्स, अल्ट्रासोनिक वेव्स और 'कोल्ड लेजर' का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा ओजोन का तरल रूप में इस्तेमाल भी करते हैं। रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के एब्नॉर्मल टिशूज को फ्रीज करके हटा दिया जाता है। स्पाइन के एब्नॉर्मल भाग को निकाल कर उसे वैक्यूम के जरिए सक कर निकाल लिया जाता है। ऐसा प्रोसीजर ट्रेडिशनल सर्जरी में नहीं होता।

सर्जरी प्रोसीजर: सर्जरी से पहले एंडोस्कोपी के जरिए विकारग्रस्त हड्डी की सटीक एनाटॉमी अत्यधिक सुस्पष्ट, बड़े (इनलार्ज) रूप में सर्जन को पता चल जाती है। जब कीहोल के जरिए एंडोस्कोपी को स्पाइन के प्रभावित भाग तक पहुंचाया जाता है, तब उस भाग की बड़ी और स्पष्ट छवि नजर आती है, जिससे सर्जन को सटीक ऑपरेशन करने में मदद मिलती है। ये विशेषताएं पारंपरिक सर्जरी के संदर्भ में लागू नहीं होतीं।

नर्व्स रहती हैं सुरक्षित: ईएसडीएस की प्रक्रिया के दौरान स्पाइन के इर्द-गिर्द स्थित नसें (नर्व) सुरक्षित रहती हैं और इनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती। नसों के सुरक्षित रहने की स्थिति में मरीज तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) से संबंधित कई आशंकित समस्याओं से सुरक्षित रहता है। जबकि यह बात पारंपरिक सर्जरी के संदर्भ में लागू नहीं होती।

मधुमेह और हृदय रोगियों को राहत: पारंपरिक सर्जरी की तुलना में ईएसडीएस में सर्जिकल टाइम कम होता है। इस कारण मरीज को एनेस्थीसिया भी कम दी जाती है। इस कारण मधुमेह और हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों या फिर बढ़ती उम्र में होने वाली जटिलताओं से गुजर रहे व्यक्तियों में सर्जिकल प्रक्रिया के दौरान होने वाला जोखिम बहुत कम हो जाता है।

यूज करते हैं लोकल एनेस्थीसिया: अनेक मरीज बेहोशी शब्द सुनकर डर जाते हैं, लेकिन ईएसडीएस के अधिकतर मरीजों में लोकल एनेस्थीसिया से ही काम चल जाता है। इस सर्जरी में ज्यादातर लोकल एनेस्थीसिया देने से ज्यादातर मरीजों को बेहोश करने की जरूरत नहीं होती।

रक्त की कम हानि: पारंपरिक सर्जरी की तुलना में ईएसडीएस में रक्त का कम से कम नुकसान होता है। ऐसी स्थिति में मरीज के ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

अगले दिन डिस्चार्ज: सर्जरी के अगले दिन व्यक्ति अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाता है, जबकि पारंपरिक सर्जरी में ऐसा नहीं होता। सर्जरी के लगभग एक हफ्ते के बाद व्यक्ति अपने कार्य पर वापस जा सकता है। जो लोग वजन उठाने या शारीरिक श्रम से संबंधित कार्यों से जुड़े हैं, वे लोग भी अपने कार्य कर सकते हैं। आमतौर पर ट्रेडिशनल ओपन सर्जरी के बाद लगभग 20 से 25 प्रतिशत ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें दोबारा सर्जरी करनी पड़ती है, जिन्हें मेडिकल भाषा में 'फेल्ड बैक सर्जरी सिंड्रोम' कहते हैं। इसके विपरीत ईएसडीएस में अधिकतम 1 से 2 प्रतिशत मामलों में ही रिवीजन सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

लंच, डिनर या ब्रेकफास्ट के समय या दिन में एक दो बार खाने का विचार आना सामान्य है, लेकिन ऐसा जब दिन में कई बार या कहें बार-बार आने लगे तो ऐसा फूड नॉइज के कारण हो सकता है। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। इसका आपके सामान्य जीवन पर गहरा असर हो सकता है। इसके कारण, लक्षणों के साथ बचाव के बारे में भी जानिए।

फूड नॉइज जब दिमाग में हर वक्त आए सिर्फ खाने का विचार

कई लोगों के मन में हमेशा या कुछ कुछ देर के बाद खाने का विचार आता रहता है। कई बार तो एक समय का खाना खाने के दौरान ही दूसरे वक्त के खाने के बारे में खयाल आने लगते हैं। खाने के विचारों पर इस तरह का अनियंत्रण फूड नॉइज की वजह से हो सकता है।

क्या है फूड नॉइज

जब आपके दिमाग में बार-बार लगातार सिर्फ भोजन की बातें गूंजने लगती हैं या कभी व्हाट्सएप, कभी यू-ट्यूब या कभी इंस्टाग्राम अथवा फेसबुक के माध्यम से अच्छे-बुरे फूड, नए-पुराने फूड या पौष्टिक-जंक फूड की चर्चा आपके जेहन में पहुंचाई जाती हैं तो यह सिचुएशन फूड नॉइज कहलाती है। फूड नॉइज का अर्थ है, भोजन के बारे में लगातार और अकसर परेशान करने वाले विचार। यह केवल 'भूख' लगने जैसा नहीं है। यह मन में चलने वाली एक ऐसी रेडियो फ्रीक्वेंसी की तरह है, जो आपको हर समय खाने, अगले भोजन की योजना बनाने या विशिष्ट खाद्य पदार्थों की लालसा के बारे में बताती रहती है। वास्तव में यह एक मेंटल स्टेट होती है। लेकिन अगर सही तरीके से मैनेज किया जाए तो इस समस्या का समाधान हो सकता है।

फूड नॉइज के मुख्य लक्षण

फूड नॉइज महसूस करने वालों में इस तरह के लक्षण दिख सकते हैं।

- पेट भरा होने के बावजूद भोजन के बारे में सोचना। हर वक्त भोजन की योजना बनाना, जैसे रात के खाने में क्या होगा? या कल दोपहर क्या खाएंगे? इस तरह के विचारों का बार-बार आना।

- खाने पर नियंत्रण की कमी। यानी, खाने की इच्छा को नजरअंदाज करना लगभग असंभव लगना।
- खाने से भावनात्मक संबंध महसूस होना। किसी प्रकार के तनाव या बोरियत महसूस होने पर तुरंत खाने के बारे में सोचना।

सामान्य भूख से अलग

जैविक भूख तो शरीर की जरूरत होती है। पेट में गुड़गुड़ाहट होना, ऊर्जा कम महसूस होना और खाना खाने के बाद यह शांत हो जाना, यह सब सामान्य है। लेकिन फूड नॉइज एक मानसिक समस्या है। खाना खाने के तुरंत बाद भी व्यक्ति यह सोच सकता है कि फ्रिज में रखी मिठाई या कोई डिश कब खानी है?

फूड नॉइज के मुख्य कारण

मस्तिष्क का रिवॉर्ड सिस्टम इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। जब हम भोजन देखते हैं या उसके बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क डोपामाइन रिलीज करता है। जिन लोगों में फूड नॉइज अधिक होता है, उनका मस्तिष्क भोजन के संकेतों (जैसे विज्ञापन या गंध) के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। हार्मोनल असंतुलन भी इसकी एक वजह है। शरीर के कुछ हार्मोन भूख और तृप्ति को नियंत्रित करते हैं। जैसे लेप्टिन मस्तिष्क को बताता है कि पेट भर गया है, जबकि घ्रेलिन यह भूख लगने का संकेत देता है। फूड नॉइज से ग्रस्त लोगों में इन हार्मोंस का संचार ठीक से नहीं होता, जिससे मस्तिष्क को कभी 'फुल' होने का संकेत नहीं मिलता। इनके अलावा कुछ दवाओं के सेवन ने भी फूड नॉइज शब्द को लोकप्रिय बनाया है। ये दवाएं मस्तिष्क में जी एक पी-1 रिसेप्टर्स पर काम करती हैं, जो न केवल पाचन को धीमा करती हैं बल्कि मस्तिष्क में उस 'शोर' को भी शांत कर देती हैं। कई लोग इन दवाओं को लेने के बाद पहली बार महसूस करते हैं कि बिना भोजन के विचार के भी रहा जा सकता है।

इसके अलावा तनाव और चिंता इसकी बड़ी वजह है। तनावपूर्ण स्थितियों में मस्तिष्क 'सर्वाइवल मोड' में चला जाता है और कैलोरी-युक्त भोजन की मांग करता है। प्रतिबंधित डाइटिंग भी इसकी वजह हो सकती है। जब हम किसी चीज को खाने से खुद को सख्ती से रोकते हैं, तो मस्तिष्क उस चीज के प्रति अधिक 'शोर' पैदा करता है।

फूड नॉइज का जीवन पर प्रभाव

फूड नॉइज समस्या के कई तरह के मानसिक प्रभाव दिख सकते हैं। इनमें शामिल हैं-

मानसिक थकान: हर समय भोजन के बारे में सोचना मानसिक रूप से आपको थका देने वाला होता है।

अपराध बोध: बार-बार खाने के विचारों के कारण व्यक्ति खुद को कमजोर इच्छाशक्ति वाला मानने लगता है।

एकाग्रता में कमी: फूड नॉइज से ग्रस्त व्यक्ति का काम या पढ़ाई के दौरान भी ध्यान भोजन पर ही बना रहता है। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

फूड नॉइज को कैसे रोकें

इस समस्या के समाधान के लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं।

माइंडफुल ईटिंग: खाते समय पूरी तरह से भोजन पर ध्यान देना और उसके स्वाद को महसूस करना।

पर्याप्त प्रोटीन और फाइबर: ये लंबे समय तक पेट भरा होने का एहसास कराते हैं, जिससे मानसिक लालसा कम हो सकती है।

नींद: नींद की कमी भूख बढ़ाने वाले हार्मोंस को सक्रिय कर देती है।

प्रोफेशनल मदद: यदि यह ईटिंग डिसऑर्डर का रूप ले ले, तो मनोवैज्ञानिक या डाइटिशियन से सलाह लेना आवश्यक है।

मेरा मेन फोकस बैलेंस्ड डाइट पर रहता है

फिटनेस फंडा

विकास सालगोत्रा

एक्टर विकास सालगोत्रा इन दिनों सोनी सब पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय' में भगवान विष्णु की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सीरियल में उनकी बॉडी काफी फिट और टोंड दिख रही है। वे अपनी हेल्थ और फिटनेस को मेंटेन करने के लिए क्या कुछ करते हैं, बता रहे हैं अपनी जुबानी।

डाइट प्लान: मैं प्योर वेजिटेरियन हूं, इसलिए कोशिश करता हूं कि सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मुझे वेजिटेरियन फूड से ही मिलें। इसीलिए अपनी डाइट में मैं प्रोटीन, फाइबर को प्रचुर मात्रा में शामिल करता हूं। मेरा मेन फोकस बैलेंस्ड डाइट पर रहता है।

वर्कआउट रूटीन: अपनी फिजिकल फिटनेस को मेंटेन करने के लिए मैं हफ्ते में कम से कम 5 दिन वर्कआउट जरूर करता हूं। मेरा वर्कआउट रूटीन-हार्डकोर हैवी वेट ट्रेनिंग और कार्डियो का कॉम्बिनेशन होता है। इसके अलावा मुझे जॉगिंग करना भी बहुत पसंद है। इसलिए जॉगिंग भी करता हूं।

बिजी शेड्यूल में टाइम: यह सही है कि मेरा शेड्यूल बिजी रहता है। लेकिन मैं अपने

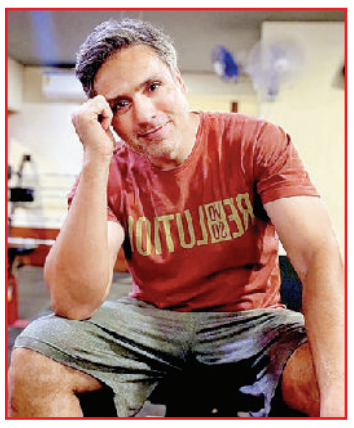

फिटनेस को लेकर समझौता नहीं करता, उसके लिए टाइम जरूर निकालता हूं। इसके लिए मैं कोशिश करता हूं कि ज्यादा ना सोऊं, ताकि अपने फिटनेस रूटीन के लिए समय निकाल सकूं। हेल्थ के लिए जितनी देर सोना जरूरी है, उतना ही सोता हूं। आलस में बेड पर पड़े रहकर टाइम वेस्ट नहीं करता हूं।

मेंटल हेल्थ: मेंटली हेल्दी रहने के लिए हमेशा पॉजिटिव सोचता हूं। इसके अलावा मेडिटेशन और योगाभ्यास भी करता हूं। अच्छी किताबें पढ़ता हूं और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट्स भी बजाता हूं। इससे मुझे काफी संतुष्टि मिलती है।

फिटनेस आइडल: मेरे फिटनेस आइडल अक्षय कुमार हैं। उनकी फिटनेस और एनर्जी लेवल मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं।

रीडर्स के लिए मैसेज: अपने फैंस और रीडर्स से यही कहना चाहूंगा कि फिटनेस दिमाग से शुरू होती है। अपने बारे में और दूसरों के लिए हमेशा अच्छा सोचिए, यही असली फिटनेस का मंत्र है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

आने वाले महीनों में गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। ऐसे में सुस्ती, थकान और डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए आप अभी से कुछ योगासनों का नियमित अभ्यास शुरू कर दें। इससे आप गर्मी के मौसम में भी ऊर्जावान महसूस करेंगे।

नियमित करें ये योगासन गर्मी में भी रहेंगे ऊर्जावान

गर्मियों में शरीर जल्दी थक जाता है। पानी की कमी हो जाने से सुस्ती और बेचैनी से भी घिर जाता है। ऐसे में कुछ योगासन हैं जो न केवल शरीर को तरोताजा और स्फूर्तिदायक बनाते हैं बल्कि हमारी कार्यक्षमता को भी बढ़ाते हैं। गर्मी में होने वाली समस्याओं से बचने के लिए कुछ शारीरिक प्रयास करने होंगे। आइए जानते हैं, कौन से वो योगासन हैं, जो हमें इन गर्मियों में तरोताजगी देंगे।

भुजंगासन

शशांकासन

शवासन

भुजंगासन: भुजंगासन को कोबरा आसन भी कहते हैं। कोई सतर्क काला नाग जिस मुद्रा में होता है, उसे ही भुजंगासन कहते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेटें, हथेलियों को कंधे के पास रखें और धीरे-धीरे अपनी छाती को ऊपर उठाएं तो जो पोज बनेगा, वो भुजंगासन का होगा। भुजंगासन करने के जो त्वरित फायदे मिलते हैं, उनमें रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है। फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और शरीर में ऊर्जा तथा रक्त का संचार बढ़ता है। गर्मियों के मौसम में भुजंगासन इसलिए फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे शरीर की जकड़न दूर हो जाती है और उसे करते ही सुस्ती खत्म हो जाती है।

शशांकासन: शशांकासन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह आसन शरीर और दिमाग को तुरंत शांत करता है। इसलिए शशांकासन गर्मियों से होने वाली थकान को दूर करने के लिए बेहद उपयुक्त है। इसे नियमित करने से दिमाग को ठंडक मिलती है। ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। मानसिक तनाव और बेचैनी कम होती है। जहां तक सवाल है कि शशांकासन कैसे करें तो सबसे पहले वज्रासन में बैठें, फिर सांस छोड़ते हुए आगे की तरफ झुकें और इतना धीरे-धीरे झुकें कि माथा जमीन पर लग जाए और अब हाथ आगे की तरफ फैला दें। कुछ देर इस अवस्था में रहें।

शवासन: शवासन गर्मियों में शरीर के तापमान को संतुलित रखने में सहयक होता है। मानसिक थकान दूर करता है और पूरे योग सत्र के बाद इसे किया जाए तो यह शरीर को फिर से ऊर्जा से भर देता है। इस तरह गर्मियों में शरीर को तुरंत आराम देने वाला शवासन सबसे प्रभावी आसन है। इसे करने के लिए जमीन पर मैट बिछाकर पीठ के बल सीधा लेटें। हाथ-पैर ढीला छोड़ दें और अपनी सांसों पर ध्यान दें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें।

बरतें सावधानियां: योगासन करते समय कुछ सावधानियां बरतें-

- योगासन हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। तेज धूप के समय भूलकर योगाभ्यास न करें। बहुत श्रम वाले योगासन भी न करें।
- योगासन करने से पहले पर्याप्त पानी पीएं और योगा खत्म करने के बाद भी पानी पीना जरूरी है।
- सबसे जरूरी बात, पहली बार कोई भी योगासन, योग प्रशिक्षक से सीखकर ही करें। *

हर्बल जोन

रेखा देशराज

बदलते मौसम में शारीरिक रोगों के होने की आशंका बढ़ जाती है। इनसे बचाव के लिए अन्य सावधानियों के साथ ही आप नीम की कोमल पत्तियों का सेवन भी कर सकते हैं। ये किस तरह फायदेमंद है, बता रहे हैं विस्तार से।

मौसमी रोगों से बचाती हैं नीम की कोमल पत्तियां

अपने देश में ऋतुओं के बदलने के साथ ही हमारी जीवनशैली भी बदल जाती है। इस तरह देखें तो हमारा शरीर बहुत कुछ प्राकृतिक बदलाव के साथ बदलता है। अगर हम इस बदलाव के अनुकूल नहीं चलते तो हमें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अगर इस बदलाव को प्रकृति के साथ बदल लेते हैं, तो निरोग रहते हैं। इन दिनों के वसंत ऋतु के दौरान वातावरण में हल्की गर्मी शुरू हो जाती है। ऐसे में हवा में पराग कणों की संख्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में इस दौरान अगर सावधानी न बरती तो कई तरह की मौसमी बीमारियों के चंगुल में आ सकते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए नीम की कोमल पत्तियों का सेवन बहुत कारगर होता है। आयुर्वेद में नीम की कोमल पत्तियों को 'सर्वरोग निवारणी' कहा गया है। वसंत ऋतु में नीम के पेड़ों पर नई कोमल और हल्की कड़वी पत्तियां निकलती हैं, तब उन्हें विशेष रूप से औषधीय माना जाता है। यही कारण है कि इस मौसम में बहुत से स्वास्थ्य के प्रति सजग लोग नीम की कोमल पत्तियों को चबाकर खाते हैं।

कम करे विषैले पदार्थ: आयुर्वेद के मुताबिक वसंत ऋतु में शरीर में जमा हुआ कफ पिघलने लगता है। क्योंकि शीत ऋतु में हम प्रायः दूसरे मौसमों के मुकाबले ज्यादा और गरिष्ठ भोजन करते हैं। इस मौसम में मेहनत भी दूसरो मौसमों के मुकाबले कम करते हैं। यही कारण है कि सर्दी के दौरान खूब खाया गया कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में हमारे सामने आता है। एलर्जी, जुकाम, त्वचा रोग, सुस्ती और पाचन संबंधी गड़बड़ियों का नाता कहीं न कहीं इस मौसम की परिस्थितियों से होता है। ऐसे में नीम की पत्तियों का खाना बहुत लाभकारी होता है। नीम की पत्तियों का कड़वा स्वाद शरीर के भीतर जमा कफ और विषैले तत्वों को कम करने में सहायक होता है। इसलिए आयुर्वेद में वसंत को शोधन यानी सफाई का मौसम कहा जाता है और इस प्रक्रिया में ही नीम की पत्तियों का सबसे बड़ा योगदान होता है।

बढ़ाए प्रतिरोधक क्षमता: नीम की पत्तियों में कई प्रकार के जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं जैसे-निंबिन, निमगिन और एंटीऑक्सीडेंट यौगिक। ये तत्व हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। आज के समय जब प्रदूषण, असंतुलित खान-पान और तनाव, हमारी प्रतिरक्षा क्षमता कमजोर कर रहा है, तब नीम की पत्तियां पहले से कहीं ज्यादा लाभकारी साबित होती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि ये सस्ती और सुलभ प्राकृतिक औषधि के रूप में हमें उपलब्ध होती है। अगर हम इस मौसम में नियमित रूप से नीम की पत्तियों का प्रतिदिन सेवन कर लें तो एक महीने का सेवन पूरे साल हमें कई तरह के शारीरिक संक्रमणों से बचाता है।

त्वचा की सुरक्षा-रक्त शुद्धि: वसंत ऋतु में त्वचा संबंधी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं, जैसे दाने निकलना, खुजली, फुंसियां होना तथा एलर्जी होना। नीम को इन सभी तरह की समस्याओं से छुटकारा देने वाली प्राकृतिक औषधि माना जाता है। इसके अलावा नीम की पत्तियों वाले उबले पानी से नहाएं तो हमें कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां नहीं होंगी। रक्त शुद्धि करने वाला नीम इसीलिए सदियों से भारतीय समाज में एक औषधीय पेड़ के रूप में ही उगाया जाता रहा है।

करे पाचन में सुधार: नीम की कड़वाहट हमारी पाचनशक्ति को भी सक्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाती है। कोमल नीम की पत्तियां कुछ दिनों तक सेवन करने से शरीर में मौजूद विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक होती हैं। यही नहीं इस मौसम में नीम की पत्तियां सेवन करने से हमारा पाचनतंत्र बेहतर और मजबूत होता है। *

पद्मासन

यह ध्यान का आसन है, लेकिन तन व मन दोनो को शीतलता प्रदान करता है। गर्मियों में नियमित रूप से पद्मासन करने से हम अपने तनाव पर काबू पाते हैं। शरीर की ऊर्जा को संतुलित कर पाते हैं। प्राणायाम और ध्यान के लिए यह खास आसन है। जिन्हें गर्मियों के आते ही चिड़चिड़ापन सताने लगता है, उन्हें तो पद्मासन से दोस्ती कर ही लेनी चाहिए। पद्मासन करने के लिए जमीन पर बैठकर दोनो पैरों को विपरीत जांघों पर रखें, रीढ़ को सीधी रखें और आंखें बंद करके गहरी सांसें लें।

खबर संक्षेप

बीआर विद्यालय में विजेताओं को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेहलंग में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विजेता विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिता विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आदर्श स्कूल का परीक्षा परिणाम सराहनीय

नांगल चौधरी। देवता गांव में स्थापित आदर्श बाल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और अधिकांश ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। निदेशक ओमप्रकाश यादव ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से यह स्कूल लगातार शत प्रतिशत परिणाम दे रहा है। मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

ब्रिगेडियर रामनिवास स्कूल का परिणाम शानदार

नांगल चौधरी। गोनैड़ा के पास ब्रिगेडियर रामनिवास विद्या पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने राजस्थान बोर्ड की कक्षा 10वीं कक्षा परीक्षा के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा। जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। स्कूल के चेयरमैन ब्रिग्रेडियर रामनिवास ने बताया कि छात्रा छवि राज पुत्री डॉ. दीपक शर्मा ने 94.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

सीएल पब्लिक स्कूल में समारोह आयोजित

नारनौल। हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के बच्चों के लिए भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उत्साह, खुशी और गर्व का वातावरण देखने को मिला। बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों, रंगारंग नृत्य व रोचक गतिविधियों से सभी का दिल जीत लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शैक्षणिक प्रमुख दीपाली गुप्ता, प्रबंधन निदेशक डॉ. अमित गुप्ता, अधिवक्ता सुखवर्षा गुप्ता, प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह व मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल ने प्रेरणादायक संबोधन दिया।

पूजा व प्रीति ने बढ़ाया संस्था का मान, विवि में किया टॉप

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा एमएससी जूलॉजी के तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज की छात्रा पूजा पुत्री दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय की टॉप 10 सूची में छठा स्थान हासिल किया। वहीं प्रीति ने 10वां स्थान हासिल किया। यह परीक्षा परिणाम संस्था की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

विधायक ने नागरिक अस्पताल का किया निरीक्षण

अधूरी बिल्डिंग के लिए 32 करोड़ रुपये की मंजूरी, जल्द लगेगा टेंडर

स्टाफ सदस्यों को दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने बुधवार को नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड, प्रसुति विभाग, वार्ड इत्यादि का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने मरीजों का हाल-चाल भी जाना। साथ ही अस्पताल में तैनात चिकित्सकों व अन्य स्टाफ सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्ट्रर भी चेक किए।

बुधवार को विधायक कंवर सिंह यादव नागरिक अस्पताल पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्ट्रर चेक किए। इसके बाद अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का दौरा किया। वहां पर उन्होंने स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति के साथ-साथ साफ-सफाई इत्यादि को देखा। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में प्रसुति विभाग तथा वार्डों का दौरा किया तथा मरीजों से बातचीत की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि चिकित्सकों के अलावा स्टाफ नर्स, सिक्योरिटी गाड्र्स, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हमेशा ड्यूटी पर तैनात रहने चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि चिकित्सक व अन्य पैरा मेडिकल स्टाफ यूनिफार्म में रहें। इसके अलावा चिकित्सक व स्टाफ नर्स ये सुनिश्चित करें कि आपातकालीन दवाएं व उपकरण हर समय उपलब्ध होने चाहिए। प्रत्येक शिफ्ट में इन दवा व उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कर्मचारियों को आदेश दिए कि अस्पताल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में गर्भवती महिला की डिलिवरी यहीं करवाई जाए। इसके अलावा उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखे। विधायक ने कहा कि भविष्य में भी वे नागरिक अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी स्टाफ सदस्य की ड्यूटी के प्रति लापरवाही पाई गई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उनका मुख्य उद्देश्य मरीजों को समय पर तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है।

महेंद्रगढ़। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान मरीजों का हालचाल जानते विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

मरीजों को नहीं हो असुविधा

मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में बैठने की उचित व्यवस्था, पंखों की उपलब्धता तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनके साथ सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. जयप्रकाश भी मौजूद रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर व सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में डिलीवरी से लेकर सर्जरी तक की सभी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। ताकि मरीजों को बाहर न जाना पड़े।

जल्द शुरू होगा निर्माण

सरकार द्वारा अधूरी पड़ी बिल्डिंग के लिए 32 करोड़ रुपये मंजूर किए जा चुके हैं और जल्द ही टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में अधिकांश स्टाफ उपलब्ध है और जिन विभागों में कमी है। उसे भी जल्द पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है और आमजन को बेहतर इलाज उपलब्ध करवाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

डीएवी स्कूल में आर्य समाज स्थापना सप्ताह के समापन पर किया हवन

नारनौल। डीएवी स्कूल में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

■ आर्य समाज के योगदान को स्मरण किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आर्य प्रादेशिक उपसभा एवं आर्य युवा समाज हरियाणा के तत्वावधान में आर्य समाज के 152वें स्थापना दिवस पर एमएलएस डीएवी स्कूल में 19 से 25 मार्च तक आर्य समाज स्थापना सप्ताह मनाया गया। आर्य समाज स्थापना सप्ताह के समापन व डीएवी संस्थाओं के प्रेरणास्त्रोत डॉ. पूनम सूरी के 79वें जन्मदिन के पावन अवसर पर बुधवार को 79 कुंडीय हवन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय प्राचार्य सपत्नीक, रामनिवास यादव आर्य समाज परिषद, आर्य समाज के अन्य सदस्य, समस्त अध्यापकगण व विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रों के उच्चारण से हुआ। वातावरण में गूंजते वैदिक मंत्रों व हवन की दिव्य आहुति ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। इस दौरान आर्य समाज के योगदान को स्मरण किया गया तथा डॉ. पूनम सूरी के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की गई।

पूर्णाहुति दी

बता दें कि 19 मार्च से शुरू हुए आर्य समाज स्थापना सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, संस्कृति व आर्य समाज के योगदान से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने विश्व कल्याण, पर्यावरण संरक्षण व मानव मात्र की सुख शांति की कामना करते हुए पूर्णाहुति दी। प्राचार्य राजेश कुमार ने पद्मश्री अलंकृत डॉ. पूनम सूरी को जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना की। प्राचार्य ने बताया कि डॉ. पूनम सूरी का जीवन शिक्षा, संस्कार व राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहा है। इनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए डीएवी संस्थान निरंतर वैदिक परंपराओं व आधुनिक शिक्षा का समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वामी दयानंद के आदर्शों व वैदिक शिक्षा के महत्व को भी समझाया।

सीईओ इंजीनियर मनीष राव होंगे रूस के चीफ गेस्ट

■ अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग के क्षेत्र में उपलब्धि दर्ज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए,रूस की प्रतिष्ठित नेशनल रिसर्च मोर्डोविया स्टेट यूनिवर्सिटी एमआरएसयू ने आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव को बतौर ग्लोबल चीफ गेस्ट एक विशेष निमंत्रण भेजा है। यह निमंत्रण दोनों संस्थानों के बीच बढ़ते शैक्षिक संबंधों और आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का एक प्रमाण है। यह निमंत्रण इसी साल सात जनवरी को हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें दोनों संस्थानों के बीच भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई थी। रेक्टर दिमित्री ग्लुश्को ने अपने पत्र में आरपीएस ग्रुप की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार करने और उन्हें वैश्विक मंच तक पहुंचाने में ग्रुप का योगदान सराहनीय है। यूनिवर्सिटी के रेक्टर, दिमित्री ग्लुश्को द्वारा प्रेषित इन आधिकारिक पत्रों में न केवल इन्जीनियर मनीष राव को विश्वविद्यालय में एक ग्लोबल चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया है, बल्कि आरपीएस ग्रुप के दो मेधावी छात्रों के लिए भी बड़ी घोषणा की गई है।

महेंद्रगढ़। रेक्टर दिमित्री ग्लुश्को से हाथ मिलाते मनीष राव।

सीधे प्रवेश की पेशकश की

विश्वविद्यालय ने आरपीएस ग्रुप के उत्कृष्ट छात्रों भव्या गुणवाल स्वर्ण पदक विजेता, आईजेएसओ-2025 और आदीश जैन स्वर्ण पदक विजेता, आईजेएसओ- 2026) को सीधे प्रवेश की पेशकश की है। इन छात्रों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देते हुए, विश्वविद्यालय उन्हें 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप और स्टाइपेंड प्रदान करेगा।

हकेंवि के रसायन विज्ञान की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

■ विद्यार्थियों को सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस आयोजन में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए प्रो. पवन कुमार शर्मा ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि इस खेलकूद प्रतियोगिता में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और क्रिकेट, वॉलीबॉल तथा विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते समकुलपति। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। विद्यालय में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इंडसवैली में यज्ञ के साथ शिक्षण सत्र का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। इंड्सवैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर में हवन करके शिक्षण सत्र का शुभारंभ हुआ। इस देव यज्ञ के पुरोहित जगमोहन भारद्वाज एवं ब्रहमा आचार्य उजागर सिंह रहे। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने हवन में आहुति दी। इस यज्ञ के मुख्य यजमान संस्था चेयरमैन धर्मेंद्र यादव एवं उनकी पत्नी सुनीता यादव, निदेशक केसी यादव व उनकी पत्नी ममता यादव रहे। वाइस चेयरमैन विजय सिंह यादव यज्ञमान रहे। प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने बताया कि हमारी संस्था प्रत्येक शुभकार्य का शुभारंभ यज्ञ-हवन के द्वारा ही करती है। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि नियमित पठन-पाठन व अनुशासन के बारे में भी बच्चों को बताया और कहा कि इसके साथ कठिन तप अर्थात कड़ी मेहनत और जुड़ जाए तो सफलता प्राप्त करने में ज्यादा देर नहीं लगती है। आचार्य उजागर सिंह ने बताया कि जीवन में परोपकार और परिवार में संस्कार बहुत जरूरी है।

खुडाना में माता चिल्ला देवी मेले में उमड़ी आस्था की भीड़, श्रद्धालुओं ने टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

खुडाना स्थित माता चिल्ला देवी का धाम भक्ति, भजन और भाईचारे का संगम बना हुआ है। इस धाम पर आयोजित मेले व रात्रि जागरण में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में माथा टेककर अपनी मनोकामना मांगी और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं रात्रि से ही श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन शुरू हो गया था और पूरी रात चले विशाल जागरण में भक्ति रस की ऐसी सरिता बही कि वातावरण पूर्णत भक्तिमय हो गया। प्रसिद्ध कलाकार रजनी शर्मा, प्रीति चौधरी बुलंदशहर, अजय भढ़ाना गाजियाबाद व अजय हमीदपुर ने माता के भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया, वहीं कृष्ण बामला ने अपनी हास्य प्रस्तुतियों से सभी को हंसने पर मजबूर कर दिया और सोनाली जांगड़ा ने नृत्य के माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों को श्रद्धालुओं ने खूब सराहा, जबकि युवाओं की विशेष मांग पर प्रस्तुत किए गए भजनों ने देर रात तक जोश और भक्ति का अनूठा संगम बनाए रखा।

महेंद्रगढ़। सम्मान करते खुडाना के गणमान्य व मेला कमेटी। फोटो : हरिभूमि

सूरज कॉलेज की छात्रा मोनिका शेखावत विवि में रही द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा एमए इंग्लिश के द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के तीन छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टॉप 10 मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज कराया। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि एमए इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मोनिका शेखावत पुत्री नरेश कुमार सतनाली ने 9.08 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान एवं कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम मे ज्योति शर्मा पुत्री गिल्लू राम गांव देवास ने 8.77 एसजीपीए लेकर विश्वविद्यालय में चौथा स्थान एवं कॉलेज में द्वितीय एवं वैभवी पुत्री राजेश कुमार, भिवानी ने 8.46 एसजीपीए लेकर विश्वविद्यालय में आठवां स्थान एवं कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मोनिका

ज्योति

वैभव

एडीसी ने ली जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक

अंतरजातीय विवाह करने वाले जोड़ों को सरकार दे रही 2.50 लाख रुपये

भाईचारे की जड़ों को मजबूत करने के निरंतर हो रहे प्रयास: पावरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सरकार प्रदेश में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की जड़ों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान इस अधिनियम के तहत दर्ज हुए मामलों की बारी बारी से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना के बारे में भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस योजना के बारे में अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि समाज में जातिगत भेदभाव को जड़ से मिटाने के लिए प्रदेश सरकार अंतरजातीय विवाह करने वाले जोड़ों को 2.50 लाख रुपये की भव्य प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि यह योजना सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है। एडीसी ने बताया कि यह राशि सीधे दंपति के संयुक्त बैंक खाते में भेजी जाती है। इसमें 1.25 लाख रुपये की राशि तत्काल सहायता के रूप में दी जाती है, जबकि शेष 1.25 लाख रुपये तीन साल की अवधि के लिए एफडी के रूप में जमा किए जाते हैं, ताकि नवविवाहित जोड़े का आर्थिक भविष्य सुरक्षित रह सके।

नारनौल। बैठक लेते एडीसी तरुण कुमार पावरिया। फोटो : हरिभूमि

लाभार्थियों की संख्या में इजाफा संख्या 19 से बढ़कर 45 हुई

एडीसी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में लाभार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2023-24 में जो संख्या 19 थी, वह बढ़कर अब वर्ष 2025-26 में 45 तक पहुंच गई है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में नियम 17 व 17-ए के तहत जिला व उपमंडल स्तर पर गठित समितियों के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा सरकार का मुख्य ध्येय समाज के हर वर्ग को सुरक्षा और सम्मान देना है। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत अत्याचार के पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास सुविधाएं दी जाती है। इस बैठक में डीएसपी सुरेश कुमार, जिला कल्याण अधिकारी अमित शर्मा, सरकारी तथा गैर सरकारी सदस्य भी मौजूद थे।

हकेंवि को मिला 41 लाख रुपये का प्रतिष्ठित शोध अनुदान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एचएसएचईसी) द्वारा हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड (एचएसआरएफ) के अंतर्गत 41 लाख रुपये का प्रतिष्ठित शोध अनुदान प्रदान हुआ है। यह अनुदान एक स्वस्थ राष्ट्र की दिशा में रेडी-टू-ईट आरटीई प्रोटीन-समृद्ध खाद्य उत्पादों का विकास एवं प्री-स्कूल बच्चों में कुपोषण प्रबंधन पर इसका प्रभाव विषयक परियोजना के लिए स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य प्री-स्कूल आयु वर्ग के बच्चों में कुपोषण की गंभीर समस्या का समाधान करना है, जिसके लिए पौष्टिक, सुलभ एवं स्थाई खाद्य उत्पाद विकसित किए जाएंगे। यह परियोजना पोषण जीवविज्ञान विभाग की परियोजना अन्वेषक डॉ. अनीता कुमारी के नेतृत्व में संचालित की जाएगी, जिनका शोध कार्य नवाचार आधारित खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों के माध्यम से पोषण स्तर में सुधार एवं जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ. अनीता कुमारी एवं सह-अन्वेषक प्रो. सुरेंद्र सिंह को बधाई दी। उन्होंने उनके समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शोध कार्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की प्रभावी शोध प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करते हैं। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना बाल पोषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

सूचना

मैं, भतेरी देवी पत्नी सिंहराम निवासी मौहल्ला महायचान, लक्ष्मीनारायण हास्पिटल के पीछे, कस्बा महेन्द्रगढ़, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करती हूं कि मेरा पुत्र अशोक कुमार व पुत्रवधु नीलम देवी तथा पोती उज्जवल व नीतू मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

मार्केट फीस समय पर जमा करवाएं आढ़तीः चेयरमैन

नारनौल। मार्केट कमेटी के प्रधान बाबूलाल यादव ने मंडी के सभी आढ़तियों एवं व्यापारियों से मार्केट फीस का समय पर पूरा भुगतान करने की अपील करते हुए प्रशासन को सहयोग देने का आह्वान किया है। इस संबंध में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के विभिन्न मील संचालकों और व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान व्यापारियों ने चेयरमैन बाबूलाल यादव और वाइस चेयरमैन सुरेश चंद चौधरी का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया।

बेवल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

नारनौल। गांव बेवल में समाजसेवी स्वर्गीय उमराव यादव की स्मृति में निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने रिबन काटकर शिविर का शुभारम्भ किया। शिविर में मिश्रीदेवी आई हॉस्पिटल नीमराणा बहरोड़ के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र सिंह यादव की टीम ने 450 लोगों की नेत्र जांच कर जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की। टीम ने 60 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया।

समस्याओं को लेकर वीसी को सौंपा ज्ञापन

कनीना। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से संबंधित सरकारी महाविद्यालयों के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शमशेर सिंह ने वीसी व कुलसचिव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया है। महिला महाविद्यालय उन्हाणी के प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में प्रस्तावित सेमेस्टर स्तरीय परीक्षाओं की तिथि 15 मई निर्धारित की गई है, जिसे संशोधित करते हुए एक मई किया जाना चाहिए।

सरसों खरीद की तैयारियों का लिया जायजा

नांगल चौधरी। मार्केट कमेटी के चेयरमैन रमाकांत शर्मा की अध्यक्षता में कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सरसों खरीद की तैयारियों का जायजा लेने के बाद किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अटल सेवा केंद्र में किसानों के लिए भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार जिले की मंडियों में 28 मार्च से सरसों की खरीद आरंभ हो जाएगी।

एसडीएम ने किया सतनाली अनाज मंडी का निरीक्षण

महेंद्रगढ़। एसडीएम कनिका गोयल आईएएस ने बुधवार को सतनाली अनाज मंडी का निरीक्षण किया तथा वहां पर रबी फसल की खरीद को लेकर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। एसडीएम का प्रयास था कि मंडियों का निरीक्षण कर उनके हालात जानें जाएं कि वह खरीद के लायक स्थान हैं या नहीं। इस मौके उन्होंने मंडी एवं खरीद अधिकारियों से कहा कि फसल की सरकारी खरीद में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

सीजेएम ने किया जिला जेल का दौरा

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने न्याय एवं सम्मान अभियान के तहत जिला जेल का दौरा किया। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि यह अभियान मुख्य रूप से महिला कैदियों और बुजुर्ग कैदियों के अधिकारों व कल्याण पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य जेल में बंद कैदी व संवेदनशील समूहों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें समाज में न्याय और सम्मान के साथ रहने का भरोसा दिलाना है।

जिला जल एवं सीवरेज मिशन की बैठक आयोजित

शहरी क्षेत्र में 2082 में से 148 लाख और ग्रामीण क्षेत्र में 631 लाख में से महज 3.5 लाख राशि की रिकवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लघु सचिवालय स्थित सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में जिला जल एवं सीवरेज मिशन जिला महेंद्रगढ़ की पांचवीं बैठक आयोजित की गई। जिसमें जल जीवन मिशन के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में मुख्य रूप से 10 एजेंडों पर चर्चा हुई, जिनमें जल अर्पण दिवस, जल महोत्सव, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल एवं सीवरेज के बकाया बिल, शिकायत निवारण, पेयजल की जांच, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों के बैंक खाते खुलवाना, जल सेवा आंकलन, गर्मी के मौसम में विभाग की तैयारियां, पेयजल स्रोतों की सुरक्षा तथा जिला तकनीकी इकाई का गठन शामिल था, जो ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति व जिला जल एवं सीवरेज मिशन को तकनीकी सहयोग प्रदान करेगी। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से एजेंडों को विस्तार से बताया। अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार ने कहा कि उपभोक्ता अपने पेयजल बिलों का भुगतान विभाग की वेबसाइट, गूगल पे, फोन पे, भीम यूपीआई आदि माध्यमों से भी कर सकते हैं। शहरी क्षेत्र में 39195 उपभोक्ताओं के 2082 लाख रुपये में से 148 लाख रुपये का राजस्व एकत्रित हुआ, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 142608 उपभोक्ताओं के 631 लाख रुपये में से मात्र साढ़े तीन लाख रुपये ही वसूले गए।

नारनौल। बैठक लेते एडीसी तरुण कुमार पावरिया।

ये रहे मौजूद

मौके पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी, कार्यकारी अभियंता जितेंद्र हुड्डा, बीडीपीओ रेनू लता, प्रदीप कुमार, अमित जैन, जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा, जिला युवा अधिकारी नित्यानंद, डीओसी रमेश सोनी, सत्यवीर सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग से दिनेश कुमार, उपमंडल अभियंता जसबीर, नरेंद्र कुमार, मुकेश शर्मा आदि मौजूद थे।

अभियान चलाने के दिए निर्देश

एडीसी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन तथा विकास एवं पंचायत विभाग को जल संरक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो उपभोक्ता पेयजल की बर्बादी करते हैं, पीने के पानी से सिंचाई करते हैं, नलों पर टोंटी नहीं लगाते, नलों को खुला बहने देते हैं, बगीचों की सिंचाई पेयजल से करते हैं, अवैध कनेक्शन लेते हैं या बिना अनुमति मुख्य पाइप लाइन में कनेक्शन करते हैं, उन्हें चिन्हित कर उनके खिलाफ जुर्माना लगाया जाए।

कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में गठित ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों के लिए निकटतम इंडियन बैंक में 31 मार्च तक बैंक खाते खुलवाना सुनिश्चित करें, ताकि जल जीवन मिशन के तहत नई पेयजल संचालन एवं रखरखाव नीति को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर ग्राम सचिव के माध्यम से जल सेवा आंकलन किया जाएगा, जिसकी समीक्षा जिला तकनीकी इकाई की ओर से की जाएगी।

जितना धन पंचायत एकत्रित करेगी उतना ही फंड सरकार देगी

एडीसी ने कहा कि पंचायतें जितना धन एकत्रित करेंगी, उतना ही फंड सरकार की ओर से प्रदान किया जाएगा। संचालन एवं रखरखाव नीति के अनुसार एकल ग्राम योजना में शामिल पंचायतों में 1 अप्रैल 2026 से तथा मल्टी ग्राम योजना में शामिल पंचायतों में 1 अप्रैल 2027 से यह नीति लागू की जाएगी। साथ ही शिकायतों का निपटान राइट टू सर्विस एक्ट के तहत समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जिले में 12 नलकूपों के बिजली कनेक्शन लंबित हैं, जिनके लिए बिजली विभाग के साथ समन्वय किया जा रहा है।

नगर पालिका ने शहर में बनाए हैं पांच सार्वजनिक शौचालय

एजेंसी का ठेका समाप्त होने से शहर के शौचालय की हालत हुई दयनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण में घरों के टॉयलेट और सार्वजनिक शौचालय काफी महत्वपूर्ण स्थान है। सुलभ शौचालयों की समुचित व्यवस्था होने का असर शहर की सफाई पर भी पड़ती है। लेकिन महेंद्रगढ़ शहर में नगर पालिका द्वारा बनाए गए अधिकतर शौचालय पर या ताले ताले लटके हुए या फिर गंदगी का आलम हैं। बताया जा रहें है कि जिस एजेंसी ने शौचालय का साफ–सफाई का ठेका लिया हुआ था वह समाप्त हो चुका हैं। नगर पालिका द्वारा शहर में नागरिक अस्पताल के पास, आंबेडकर चौक, महिला आईटीआई, मोदाश्रम मंदिर व चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में सार्वजनिक शौचालय बनाए हुए हैं। इन शौचालयों पर इन दिनों या तो ताले लटके हुए या फिर गंदगी का आलम हैं। बाजार में आने वाले राहगीरों को शौच के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। इन शौचालयों में गंदगी और बदबू के कारण यहां जाने से लोग परहेज करते हैं। नतीजा जरूरत पड़ने पर शहर के कई लोग सड़क किनारे ही मल-मूत्र त्यागने को विवश है। जिस कारण शहर में गंदगी फैलती रहती है। शहर के कई इलाके में सड़क किनारे आज भी मल मूत्र और गंदगी दिख जाती है। इसका असर सफाई पर भी पड़ता है। इस स्थिति में हम स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते। शहर के बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों का कहना है कि स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में अगर दूसरा शहर टॉप पर है तो इसका कारण वहां की सफाई व्यवस्था भी है। अगर हमें स्वच्छता रैंकिंग में ऊपर जाना है तो सफाई व्यवस्था पर फोकस करना होगा। शहर के लोगों कहना है नगर पालिका द्वारा शौचालय की जल्द सफाई करवानी चाहिए।

महेंद्रगढ़। हुड्डा पार्कमें बनाया गया शौचालय। फोटो : हरिभूमि

जल्द लगाया जाएगा टेंडर

नगर पालिका चेयरमैन रमो सैनी ने कहा कि जल्द ही शहर की सफाई की तरफ ध्यान दिया जाएगा। सभी सार्वजनिक शौचालयों की सफाई की उचित व्यवस्था की जाएगी। एजेंसी का ठेका समाप्त होने से सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों से सुबह शाम शौचालय की सफाई करवाई जाएंगी, ताकि लोगों को परेशानी न हो। इसके अलावा शौचालय के रखरखाव को लेकर भी जल्द टेंडर लगाया जाएगा।

शहर में बढ़ी आबादी

शहर में फिलहाल करीब पचास हजार की आबादी हैं। इसके अलावा आसपास के गांव से आने वाले लोग भी बाजार में खरीददारी करने आते हैं। लेकिन बाजार में आने वाले लोग इन दिनों शौच के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। सबसे अधिक परेशान महिलाओं को उठानी पड़ रहीं हैं।

मंडी अटेली। गांवों में दुग्ध का कार्य करती समिति की महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

बाछौद सहकारी प्लांट पर गायों के दूध के लिए किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

दी बाछौद आदर्श महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति अटेली क्षेत्र में सफेद क्रांति को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण महिलाएं गांवों में कार्य कर रही है। दुग्ध उत्पादक समिति में गायों के दूध की स्वीकृति के लिए किए गए आवेदन पर नारनौल के चिलिंग प्लांट सेंटर से सुपरवाईजर व लैब के कर्मियों ने समिति की सदस्यों व पदाधिकारियों से मंत्रणा की।

सेंटर के सुपरवाइजर अश्वनी यादव, अमित कुमार, नरेंद्र शर्मा आदि ने मिर्जापुर-बाछौद समिति की प्रधान सुमन देवी, सचिव बीरमती, उपप्रधान विद्या देवी, सदस्य प्रियंका, भतेरी, रेश्मा आदि से मिलकर बात की। समिति के सदस्यों ने बताया कि समिति में सैकड़ों पशुपालक अपने गाय व भैंस का करीब 500 लीटर दूध सुबह-शाम दूध दे रहे हैं। समिति पशुपालकों के दूध को वीटा दूध उत्पाद में भेजा जाता है।

सफेद क्रांति को बढ़ावा

नारनौल चिलिंग सेंटर के मैनेजर उदयभान ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में पशुपालकों को दूध को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं। सफेद क्रांति को बढ़ावा देने क लिए पशुपालकों व किसानों की आय की बढ़ोतरी के लिए कार्य किए जा रहे हैं। गांव के सरपंच दिलबाग सिंह, संजय बागड़ी, हनुमान, बिनोद, कंवर सिंह, बनवारी, राजू आदि ने बताया कि यह समिति हमारे गांव में दूध के लिए बेहतर कार्य कर रही है।

पीड़ितों को समय पर राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकताः एसडीएम

उपमंडल स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग कमेटी की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

एसडीएम कार्यालय में बुधवार को उपमण्डल स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता एसडीएम उदय सिंह ने की। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन की ओर से प्राप्त विभिन्न रिपोर्टों व अधिकारियों की भूमिका की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य इस अधिनियम के तहत आने वाले मामलों में पीड़ितों को त्वरित न्याय व नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

एसडीएम उदय सिंह ने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत यदि किसी गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्ति पर अत्याचार किया जाता है, तो पीड़ित को सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाती है। यह सहायता राशि विभिन्न श्रेणियों जैसे ट्यूबवेल की हानि, चल अचल संपत्ति का नुकसान, स्थाई या अस्थाई अपंगता, बलात्कार और हत्या जैसे गंभीर मामलों में प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं संशोधित नियमों के तहत, दर्ज एफआईआर के आधार पर पीड़ितों को राहत राशि देने का प्रावधान है।

इस मौके पर तहसील कल्याण अधिकारी ममता, लिपिक शीशराम, कपिल, एसआई कृपाल सिंह, होशियार सिंह, श्यामसुंदर आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। सतर्कता एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक लेते एसडीएम उदय सिंह।

मंत्री आरती सिंह राव के हस्तक्षेप से खुला रास्ता

मंडी अटेली। कागजी अड़चनों में लंबे समय से फंसा अटेली का नाला प्रोजेक्ट अब जल्द जमीन पर उतरने जा रहा है। नए बस स्टैंड से उनींदा मल सोधन केंद्र तक प्रस्तावित इस नाले के निर्माण के लिए वन विभाग की मंजूरी का रास्ता साफ हो गया है, जिससे रुका हुआ कार्य शीघ्र शुरू होने की संभावना है। नगर पालिका द्वारा वन विभाग के खाते में 3,52,109 रुपये की आवश्यक राशि जमा कर दी गई है, जो अनुमति प्रक्रिया की अंतिम औपचारिकता मानी जा रही थी। मंजूरी के अभाव में पहले खुदाई का कार्य बीच में ही रोकना पड़ा था, जिसके चलते हर वर्ष बरसात के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले लेती थी। बस स्टैंड और आसपास के इलाकों में पानी भरने से यात्रियों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लगभग 3.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस नाला प्रोजेक्ट से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है। इस परियोजना को गति देने में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की भूमिका अहम रही है। उनके हस्तक्षेप के बाद प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी आई और वर्षों से लंबित योजना आगे बढ़ पाई।

सोफा वर्कशॉप के गोदाम में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर पाया काबू, प्रशासन से मुआवजे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के वार्ड नंबर 13 के मोहल्ला महायचान में स्थित एक सोफा वर्कशॉप के गोदाम में आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है। गांव सिसोठ निवासी बृजेश ने बताया कि उनकी ऑटो मार्केट में 'श्री श्याम सोफा वर्क्स' के नाम से दुकान है। आग उनके मोहल्ला महायचान स्थित किराए के गोदाम में लगी थी। बृजेश के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे उन्हें फोन पर गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। जब वह मौके पर पहुंचे, तब तक गोदाम का अधिकांश सामान जल चुका था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 25 से 30 मिनट में आग पर नियंत्रण पा लिया। बृजेश ने बताया कि गनीमत रही कि गोदाम के पास बनी दुकान और घरों को कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना के समय गोदाम में कोई मौजूद नहीं था, क्योंकि मजदूर अपने गांव गए हुए थे। दो दिन पहले ही फोम का एक बड़ा स्टॉक गोदाम में आया था। बृजेश के मुताबिक, इस आगजनी में लगभग 10 से 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी प्रदीप ने बताया कि दोपहर 12:30 बजे मोहल्ला महायचान में गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। उनकी टीम दो फायर ब्रिगेड गाड़ियों के साथ 12:46 बजे मौके पर पहुंची और लगभग 20 से 25 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

महेंद्रगढ़। आग पर काबू पाते दमकल कर्मी। फोटो : हरिभूमि

जनस्वास्थ्य कर रहा लोगों के जीवन से खिलवाड़ : जैन

नारनौल। शहर के वार्ड नंबर 21 के अंतर्गत मोहल्ला नलापुर, कायस्थवाड़ा एवं गली मनिहारान में इन दिनों नलों से गंदा पानी आ रहा है। कमाल की बात यह है कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में यह मामला है, लेकिन उनकी सेहत पर कोई असर नहीं हो रहा रहा। इस पर रोष व्यक्त करते हुए वार्ड नंबर 21 के नगर पार्षद संदीप जैन (बंटी) ने बताया कि इन दिनों नलों से घरों में गंदा पानी आपूर्ति किया जा रहा है। लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। इसे पीने से छोटे बच्चे और महिलाएं बीमार हो रहे हैं। पानी इतना गंदा होता है कि उसका रंग न केवल बदरंग होता है, बल्कि उसमें झाग भी बनते हैं तथा बदबू भी आती है। उन्होंने आशंका व्यक्त करते हुए बताया कि नारनौल शहर में भी इंदौर में घटित घटना जैसी पुनरावृति हो सकती है। यहां भी लोग गंदा पानी पीकर बीमार होने के साथ–साथ गंभीरावस्था में पहुंच सकते हैं या अकाल मौत का शिकार बन सकते हैं। उन्होंने उपायुक्त से विनम्र आग्रह किया कि जनहित में इसका कड़ा संज्ञान लें और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जो कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं, उन्हें जगाएं और तुरंत साफ पानी की सप्लाई दुरुस्त कर बहाल करवाएं। नगर पार्षद ने कहा कि जो अधिकारी जनता के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सड़क सुरक्षा व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर एडीसी ने ली बैठक

60 दिन में बिना हेलमेट के 2919 व ओवरस्पीडिंग के 1482 चालान, 2.10 करोड़ का जुर्माना वसूला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने व यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को लघु सचिवालय स्थित मीटिंग हॉल में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावारिया ने स्पष्ट किया कि सरकार व जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य सड़क हादसों पर प्रभावी रोक लगाना है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को रणनीतिक तरीके से कार्य करने और आपसी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का सफर सुरक्षित हो सके।

उन्होंने बताया कि जिला पुलिस व आरटीए विभाग की ओर से नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। केवल जनवरी व फरवरी के दौरान ही बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने वाले 2919 चालकों के चालान किए गए। इसी प्रकार ओवर स्पीडिंग के 1482 व गलत दिशा में वाहन चलाने वाले 349 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों से इस अवधि में लगभग दो करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया है।

नारनौल। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर एडीसी तरुण कुमार पावरिया। फोटो : हरिभूमि

- नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ हो रही सख्त कार्रवाई

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, एसडीएम उदय सिंह, डीएमसी रणबीर सिंह, नगराधीश डॉ. मंगल सेन सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षण संस्थानों के वाहनों की चेकिंग के दिए निर्देश

एडीसी ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए जिला प्रशासन सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को कड़ाई से लागू कर रहा है। फरवरी माह के दौरान आरटीए विभाग, पुलिस और उपमंडल स्तर की कमिटियों ने जिले में 270 से अधिक स्कूल बसों की सघन जांच की। इस चेकिंग अभियान के दौरान मानकों को पूरा न करने वाली 24 स्कूल बसों के चालान किए गए। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में कमिटियां गठित कर नियमित रूप से शिक्षण संस्थानों के वाहनों की चेकिंग सुनिश्चित करें, ताकि बच्चों का आवागमन पूरी तरह सुरक्षित रहे। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को दुरुस्त करने के लिए एनएचएआई व लोक निर्माण विभाग को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।